ललक की शब्दरूपी अभिव्यक्तियाँ

वर्ष २०१९ के श्रीगुरुमाई के जन्मदिवस सत्संग के दौरान माला में पिरोए नामसंकीर्तनों के बीच सत्संग प्रतिभागियों ने चार अलग-अलग भाषाओं में चार शब्द सुने। इनमें से हरेक शब्द ललक के एक अनूठे गुण को स्वर प्रदान करता है जिसका वर्णन करना लगभग किसी भी भाषा के परे है। इन शब्दों की ध्वनि व इनके विलक्षण अर्थ, भगवान में विलीन हो जाने की हृदय की गहन ललक को जगाते हैं।

Sehnen [ज़ेनन] : जर्मन भाषा का यह शब्द किसी व्यक्ति, स्थान या अनुभव के लिए होने वाली उत्कट इच्छा का वर्णन कर सकता है। अपूर्ण लालसा की अकथनीय भावना को व्यक्त करने हेतु उन्नीसवीं सदी के लेखकों ने "ज़ेनन" शब्द के अर्थ का विस्तार किया।

Saudade [सौदाजी] : यह पुर्तगाली शब्द, अनगिनत गीतों व कविताओं के लिए प्रेरणास्रोत रहा है। यह हृदय में उठने वाली मीठी-मीठी दर्दभरी ललक को या किसी प्रियजन की कमी महसूस करने की भावना को व्यक्त कर सकता है। "सौदाजी" तीव्र ललक है जो प्रायः विरह के रंग में रँगी होती है।

अभिकांक्षा : एक संस्कृत शब्द जिसमें किसी ऐसे व्यक्ति या वस्तु के लिए ललक के कई सारे रस सम्मिलित हैं जो हृदय के बहुत क़रीब है; एक सौम्य लेकिन लगातार बनी रहने वाली उम्मीद। इसका उपयोग किसी विशेष लक्ष्य की प्राप्ति हेतु निरन्तर उद्यम करने के लिए और किसी चीज़ के लिए की गई ऐसी विशिष्ट आकांक्षा का वर्णन करने के लिए किया जाता है जिस तक बहुत कम लोग ही पहुँच पाए हैं। अभिकांक्षा का अर्थ इतनी दृढ़ कामना को भी दर्शाता है कि इसका उपयोग "प्रार्थना" के दूसरे नाम के रूप में किया जा सकता है।

मेहराब-ए-इबादत : उर्दू का यह सुन्दर वाक्यांश दो शब्दों से जुड़कर बना है; 'मेहराब' यानी वह आकार जो वृत्त के एक हिस्से की तरह होता है जैसा आप किसी दरवाज़े या गलियारे के ऊपर बना देख सकते हैं। 'इबादत' का अर्थ है पूजा-अर्चना, आराधना, प्रार्थना जो भगवान के प्रति गहरी ललक व प्रेमवश अर्पित की जाती है। तो इस वाक्यांश का अर्थ है, "पूजा या श्रद्धा की मेहराब।"

© २०१९ एस.वाय.डी.ए. फ़ाउन्डेशन®।